टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर, राजस्थान के दूसरे दीक्षांत समारोह में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

———

टांटिया विश्वविद्यालय की माननीय चेयरपर्सन श्रीमती सुनीता टांटिया;

विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट एवं कुलपति श्री एम.एम.सक्सेना;

विशिष्ट अतिथिगण;

संकाय के सदस्य और कर्मचारीगण;

प्रिय छात्रो; और

देवियो एवं सज्जनो:

आज श्रीगंगानगर में टांटिया विश्वविद्यालय के शांत और बौद्धिक रूप से जीवंत परिसर में आपके बीच आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

सर्वप्रथम, मैं टांटिया विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन श्रीमती सुनीता टांटिया जी और कुलपति श्री एम.एम. सक्सेना जी को इस दीक्षांत समारोह के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि श्रीगंगानगर स्थित टांटिया विश्वविद्यालय की वर्ष 2013 में छोटे स्तर पर शुरुआत होने के बाद आज यह उत्तर-पश्चिमी राजस्थान का अग्रणी विश्वविद्यालय बन गया है।

मुझे यह जानकर भी प्रसन्नता हुई कि विश्वविद्यालय 15 संकायों में स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट्स पाठ्यक्रमों में शिक्षा प्रदान कर रहा है।

मैं आज के इस दीक्षांत समारोह में एकत्र सभी छात्रों को इस प्रतिष्ठित संस्थान का हिस्सा बनने और अपनी शैक्षणिक यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

निस्संदेह आपके माता-पिता के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि आज आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय पूर्ण हुआ है और दूसरे अध्याय का आरंभ हुआ है। आपकी सफलता में उनका भी योगदान है, उन्होंने आपकी इस उपलब्धि के लिए अथक प्रयास किए हैं। मैं उन प्रोफेसरों के समर्पित प्रयासों की भी सराहना करता हूं जिन्होंने छात्रों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह विशेष अवसर होता है। दीक्षांत समारोह केवल शिक्षा पूरी होने का प्रतीक नहीं है,बल्कि एक नई भावनात्मक शुरुआत है।

ये आपको भविष्य के लिए प्रेरित करते हैं और आपकी क्षमताओं तथा आगे आने वाली चुनौतियों से अवगत कराते हैं।

औपचारिक डिग्री प्राप्त कर लेना शिक्षा का अंत नहीं है। आज जब technology के क्षेत्र में तेज गति से परिवर्तन हो रहा है, तब निरंतर सीखते रहना और भी आवश्यक हो जाता है। हमें जीवन भर जिज्ञासु बने रहना चाहिए।

आप सब युवा हैं। आप सब technology का प्रयोग करना जानते हैं। किसी भी साधन का सदुपयोग भी किया जा सकता है और दुरुपयोग भी। यही तथ्य technology के साथ भी लागू होता है। अगर हम इसका सदुपयोग करेंगे तो देश और समाज का भला होगा और अगर दुरुपयोग करेंगे तो मानवता का नुकसान होगा। इस लिए नैतिकता से युक्त शिक्षा हमें राह दिखा सकती है।

हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भी यही है। यह नीति भारतीय मूल्यों से युक्त एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का विकास करती है जो सभी को उच्चतर गुणवत्ता-युक्त शिक्षा उपलब्ध कराके भारत को एक वैश्विक knowledge-power के रूप में स्थापित करे।

किसी भी देश के विकास में research और innovation का महत्वपूर्ण योगदान होता है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि यह विश्वविद्यालय research, innovation और technology development को प्रोत्साहित कर रहा है।

शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों में start-ups culture को प्रोत्साहित करें, उनके अंदर उद्यमिता की क्षमता को विकसित करें, ताकि हमारे युवा उद्यमी स्थानीय समस्याओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए research और innovation करें और उन innovations को implement भी करें।

आज पूरी दुनिया एक global village है। कोई भी संस्थान दुनिया से कट कर नहीं रह सकता है। आपको inter-disciplinary studies और international collaboration को बढ़ावा देना चाहिए।

बदलाव के इस युग में Research और innovation को आपस में साझा करके ही देश और दुनिया के सामने आ रही चुनौतियों का सामना किया जा सकता है।

आप मोबाईल में 5जी का उपयोग करते हैं। लेकिन भारत के पास 5D है - Demand, Demography, Democracy, Desire और Dream. यह 5D हमारे विकास की यात्रा में हमारे लिए गेम चेंजर साबित होगी।

आज मैं यहाँ छात्राओं की भी अच्छी संख्या देख रहा हूँ। आज महिलायें हमारे देश में हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं। खेलकूद से लेकर अंतरिक्ष तक, प्रतिरक्षा से लेकर टेक्नॉलजी तक, महिलायें हर क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर हैं।

आप अभी आप कॉलेज में पढ़ रही हैं, अच्छी शिक्षा हासिल कर रही हैं। ये वह समय है, जब आप अपने आपको चिंतनशील और विचारशील बनाएं। शिक्षा के साथ नए बदलते दौर में यह कॉलेज हमारे नए इनोवेशन के सेंटर बनने चाहिए। हमारी creativity को प्रमोशन मिले।

मित्रों, हमने अपने लिए एक लक्ष्य निर्धारित किया है। आज से 23-24 वर्ष के बाद जब हम अपनी आजादी की 100वीं वर्षगांठ मना रहे हों, तो हमारा देश विकसित राष्ट्र बने। हम विकास और समृद्धि में सबसे आगे हों। आप जानते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था में भी पिछले वर्षों में तेजी से विकास हुआ है।

बहुत सी चुनौतियाँ हमारे सामने आई, हमने उनका सफलतापूर्वक मुकाबला किया और आज हम विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी economy हैं। बहुत जल्द हम तीसरी सबसे बड़ी economy बनेंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है।

भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है, हमारी 55 प्रतिशत से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की है। हम एक प्रगतिशील और लोकतांत्रिक राष्ट्र हैं और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का हमारा सपना आपके ही कौशल, आपकी प्रतिभा, आपकी क्षमता और आपके प्रयासों से ही पूरा होगा। आपका दायित्व है कि आप न केवल इस vision के भागीदार बनें बल्कि इसे पूरा करने के लिए अपना सर्वस्व लगा दें।

शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन हो रहे हैं। पिछले वर्षों में हमारा enrollment ratio बढ़ा है, महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ी है और देश में उच्च शिक्षा के कई नए उत्कृष्ट संस्थान भी आरंभ किए गए हैं।

सरकार का भी मानना है कि जब हम शिक्षा में निवेश करते हैं, अपने छात्रों में निवेश करते हैं, तो इसका अर्थ होता है कि हम अपने भविष्य में निवेश कर रहे हैं।

शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ शिक्षण संस्थानों की समाज के प्रति भी ज़िम्मेदारी होती है। आपके विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध संस्थानों में विद्यार्थियों की बहुत बड़ी संख्या है। स्वाभाविक है कि इनमें आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी भी होंगे। उनकी सहायता करना आपका व्यक्तिगत और सामूहिक कर्तव्य है।

मुझे खुशी है कि यह विश्वविद्यालय earn and learn, internship और skill development जैसी पहल द्वारा उनकी मदद कर रहा है। आप व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर शिक्षा और विकास-यात्रा में पिछड़ गए लोगों को साथ लाने का प्रयास करें। आपका यह प्रयास अमृत काल में विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

आज हमारी सरकार की भी कोशिश है कि देश के अलग अलग हिस्सों मे, दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्र निर्मित हों, ताकि सभी स्थानों पर रहने वाले लोगों के लिए शिक्षा के समान अवसर हों।

जब हम यूनिवर्सिटी में पढ़ते हैं, तो हम मात्र अकादमिक ज्ञान ही प्राप्त नहीं करते, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त करते हैं। इस दौरान हमारी विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित होती है, हमारी रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है, और हम सबके साथ मिलकर काम करना और संवाद करना सीखते है। **यहाँ हम नई परिस्थितियों से निपटने, समस्याओं का समाधान निकालने तथा अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त करना सीखते हैं। यहाँ शिक्षा के दौरान आपने जो नैतिक और शैक्षणिक मूल्य प्राप्त किए हैं, वे भविष्य में आपको दिशा दिखाएंगे।**

आपको विश्व में अपना रास्ता तलाशने, समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करने और अपने समुदायों में अपने कार्यों से अपनी छाप छोड़ने में सहायता करेंगे। आपके ही प्रयासों से हम वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार कर सकेंगे।

आज जब आप अपने चुने हुए मार्ग पर आगे बढ़ने जा रहे हैं, मैं आपको याद दिलाना चाहूँगा कि आपके भीतर असीम क्षमता है। आप आत्मसंतुष्ट मत बनिए। आप अपने आंतरिक बल के सहारे आगे बढ़िए।

प्रिय साथियो, याद रहे, विश्व को आपकी विविध प्रतिभाओं, अपार ऊर्जा और अटूट इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। आप साहसपूर्ण रूप से कार्य करें, पुराने तौर-तरीकों को बदलने के लिए तत्पर रहें और अपने

सामने आने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाएँ। ज्ञान की ताकत, सहयोग और नैतिक आचरण के महत्व में सदैव अपनी आस्था बनाए रखें।

प्रिय छात्रो, आज आप सभी अपनी डिग्री प्राप्त कर रहे हैं। यह आपके लिए ख़ुशी का पल है, लेकिन आप उन चुनौतियों को भी याद करें जिनका सामना आपने विद्यार्थी जीवन में किया है। आप अपने गाँव की, अपने लोगों की समस्याओं के बारे में सोचें और उनका उचित समाधान निकालने के लिए काम करें। यही आपकी असली गुरु दक्षिणा होगी। अंत में, मैं एक बार फिर, यहाँ उपस्थित सभी छात्रों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। आप सभी को शुभकामनाएं।